Hiralal Mazumdar Memorial College for Women
LIBRARY
Dakshineswar, Kolkata-35

लक्ष्यं विश्रमानम्

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours/Programme 3rd Semester Examination, 2022-23

HINHGEC03T/HINGCOR03T-HINDI (GE3/DSC3)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1×5 = 5

(क) 'यह दीप अकेला' कविता में 'दीप' किसका प्रतीक है ?

(ख) 'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष बताइए।

(ग) ''अम्बर पनघट में डुबो रही तारा घट उषा नागरी''– यह पंक्ति किसकी है ?

(घ) नागार्जुन द्वारा रचित किसी एक काव्य संग्रह का नाम लिखिए।

(ङ) 'धिक जीवन जो पाता ही आया है विरोध'– पंक्ति में किसके जीवन का सत्य अभिव्यक्त हुआ है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं <u>तीन</u> की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए – 5×3 = 15

(क) तीन बुलाए तेरह आवैं।
निज-निज बिपता रोइ सुनावैं।
आँखौं फूटे भरा न पेट
क्यों सखि सज्जन नहिं ग्रैजुएट।

(ख) यह दीप अकेला स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।
यह जन है: गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गाएगा ?
पनडुब्बा: ये मोती सच्चे फिर कौन कृती लायेगा ?

(ग) यह महादम्भ का दानव
पीकर अनंग का आसव
कर चुका महा भीषण रव,
सुख दे प्राणी को मानव
तज विजय पराजय का कुढंग।

(घ) मैं उनमत्त प्रेम की प्यासी हृदय दिखाने आयी हूँ
जो कुछ है, वह यही पास है, इसे चढ़ाने आयी हूँ
चरणों पर अर्पित है, इसको चाहो तो स्वीकार करो
यह तो वस्तु तुम्हारी ही है ठुकरा दो या प्यार करो

(ङ) श्रम विश्राम क्षितिज-वेला से
जहाँ सृजन करते मेला से,
अमर जागरण उषा नयन से–
बिखराती हो ज्योति घनी रे!

3. "जयशंकर प्रसाद प्रेम और सौंदर्य के कवि हैं।" कथन की सार्थकता पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 15

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

4. हिन्दी कविता में निराला की प्रगतिशीलता के विभिन्न पक्षों की चर्चा कीजिए। 15

अथवा

नागार्जुन के काव्य में निहित व्यंग्यात्मकता पर प्रकाश डालिए।

——x——